RANIGANJ GIRLS'COLLEGE
BA HONOURS IN HINDI
&
BA PROGRAM IN HINDI
PROGRAM OUTCOMES

कार्यक्रम अधिगम परिणाम

स्नातक हिंदी (प्रतिष्ठा) कार्यक्रम से संबद्ध अधिगम परिणाम इस प्रकार है–

1. साहित्य संप्रेषण के आधार बिंदुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट समझ विकसित हो सके।
2. हिंदी साहित्य और भाषा का व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान कराना ताकि उसके सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना ताकि विद्यार्थी में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।
6. समीच्य दृष्टि और व्यवस्थित वैचारिकी का प्रदर्शन करना जिससे कि हिंदी साहित्य के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा और प्रश्न उत्पन्न हो सके।
7. आधुनिक संदर्भों में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिंदी साहित्य की जानकारी देना।

8. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।

9. विद्यार्थी में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ–साथ कल्पनाशक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।

10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना।

11. वर्तमान युग सूचना क्रांति का युग है जिसमें अभिव्यक्ति की प्रधानता है ऐसे में तकनीकी के विकास ने साहित्य संचरण को अत्यंत सुगम बना दिया है इसी के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य लेखन और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार से लेकर व्यक्तित्व विकास तक में विद्यार्थी निष्णात हो सके। विद्यार्थी की रुचियों को एक व्यवस्थित रूप देना और उन्हें विभिन्न विधाओं में से चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना ताकि वे स्नातक कार्यक्रम के पूर्ण होने के बाद खुद ही साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में से अपनी रुचि के अनुसार चयन कर सकें।

12. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना भी हिंदी साहित्य के अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है।

Source: https://www.ugc.gov.in/pdfnews/5223018_Final-Hindi.pdf?_gl=1*1rhfm10*_ga*MTE2Mjg2Mjc5NC4xNjc4Mjc5Nzg0*_ga_FGHYECNLXB*MTY3ODI4Mjg4My4yLjAuMTY3ODI4Mjg4My4wLjAuMA..